

अनमोल दावा

“ज्ञानकिसी भी संबंध का अंत करने में अहम भूमिका निभाता है क्योंकि सर आज नहीं तो कल सामने आ ही जाता है।”

महानगरों में विलोड़ी का गिरना और लोगों की जान की कीमत, लापरवाही दर लापरवाही पर लगाम नहीं

हरानी की बात यह है कि मुंबई में एक मुख्य जगह पर लगे इस होर्डिंग को बाद में अवैध बताया गया, जिसे लगाने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। मुंबई में सोमवार को आइ तेज आंधी और ब्रेमैसम बारिश के दौरान कई लोगों की मौत को किसी हादसे की तरह ही देखा जाएगा। मगर सच यह है कि इसके पीछे संवधित महकमों की बहुतसी लापरवाही मुख्य बजह है। विडब्बना यह है कि ऐसे हादसों की वजहें जंगजाहिर होती हैं, मगर उसकी ओर से अंखें मूँद ली जाती हैं और मामला जब तूल पकड़ लेता है तब अफसरों की नींद खुलती है। वरना क्या बजह है कि जहां बारिश-तूफान से बचने के लिए या किसी अन्य मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो सकते हैं, वहां ऐसे हादसे होर्डिंग लगाने की छूट दी जाए, जो तेज आंधी में गिर जा सकता है।

गैरतरलब है कि मुंबई में धूलभरी आंधी के दौरान घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप के पास खड़ा सौ फुट से ज्यादा लोग उसकी चपेट में आ गए, जिनमें चौदह लोगों की मौत हो गई और चौहतर घायल हो गए। प्रथम दृष्ट्या इस हादसे की बजह तेज आंधी को कहा जा सकता है। मगर केवल बिगड़े मौसम पर इसकी जिम्मेदारी नहीं थोपी जा सकती।

हरानी की बात यह है कि मुंबई में एक मुख्य जगह पर लगे इस होर्डिंग को बाद में अवैध बताया गया, जिसे लगाने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी। विचित्र है कि मुंबई जैसे महानगर में, जहां किसी इलाके में फूटपाथों तक पर लगाने वाली दुकानों के वैध-अवैध होने के बारे में प्रश्नासन को पूरी जानकारी रहती हो, वहां सौ फुट से ज्यादा ऊंचा होर्डिंग खड़ा था और उसके अवैध होने के बारे में जानकारी हादसे के बाद सापेने आई।

अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के दौरे के बाद शहर में सभी होर्डिंगों के संरचनात्मक आडिट का आदेश दिया गया है, बहुमूर्ब बहुमूर्ब महानगर पालिका राजकीय रेलवे पुलिस की जमीन पर लगे बाकी सभी होर्डिंग को हटाएंगी और पुलिस ने होर्डिंग के मालिक पर गैरुडरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। शहर-महानगरों में हर तरफ अवैध होर्डिंग खतरनाक काति से खड़े दिख जाते हैं। मगर समूचे प्रशासन के स्तर पर सकर्तव्य आखिर किसी हादसे और उसमें लोगों के मारे जाने के बाद ही वहां दिखाई देती है? अगर संवधित महकमों ने समय रहते अपनी दृश्टी और जिम्मेदारी के प्रति ईमानदारी बरती होती तो शायद इस हादसे को रोका जा सकता था।

चुनाव प्रचार के लिए अरविंद केंद्रीयाल को मिली। धूम तंत्र अंतरिम घमाना...



लोकसभा चुनाव 2024 : बंगल में सदेशखाली कितना बड़ा चुनावी मुद्दा ?

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना ज़िले में बांगलदेश की सीमा से सटा अनाम-सा कस्बा सदेशखाली एक बार फिर रख दिया गया है। अब मुद्दे पर अब प्रधानमंत्री नरें मंदीरी और मुख्यमंत्री मामला बजर्जी में भी ठन ढूँढ़ है। प्रधानमंत्री ने रविवार को अपनी एक चुनावी रैली में तृणमूल कांग्रेस पर सदेशखाली की महिलाओं का धमकाने का आरोप लगाया तो मामला ने उन पर इस मामले में झूठ लगाने का आरोप लगा दिया।

एक के बाद एक कई विलोड़ी सामने आने के बाद



भाजपा फंसती नम्रता आ रही है, जीवीसी स्वतंत्र रूप से इनमें से किसी भी वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

सदेशखाली मामले पर उसमें आने वाले

टिंग वीडियो में जिन भाजपा नेता गंगाधर कायल को

प्रेरणा मामले को भाजपा के निर्देश पर आयोजित बातों

हुए देखा गया था अब उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा समर्थकों ने मारपीट भी की। उनमें महिलाएं भी शामिल थीं।

सदेशखाली मामला इस साल की शुरुआत से ही लगातार सुखियों में रहा है। पहले इंदी की टीम पर हमले और उसके बाद महिलाओं के अधिकारों के विरोध यात्रा और बाद में इन घटनाओं के खलिक महिलाओं के आदेलों के बाहर की हिरासती की आरोप लगायी गयी। उनकी आरोपित भाजपा के निर्देश पर आयोजित बातों

हुए देखा गया था अब उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

उसका तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के साथ कथित

भाजपा मामले को इन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का

दरवाजा खटखटाया है, कायल का आरोप

